न्यूज डायरी

यूएनजीए में शामिल होने के लिए तालिबान ने यूएन प्रमुख को लिखी चिट्ठी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। तालिबान ने यूएनजीए में शामिल होने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरस को चिट्ठी लिखी है। इसके लिए तालिबान ने अपने प्रवक्ता सुहैल शाहीन को संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान का नया राजदूत नामित किया है और वर्तमान में चल रहे महासभा के 76वें उच्च स्तरीय सत्र में भाग लेने और बोलने की मांग की है।

1 मई से शुरू हुई अमेरिकी सेना की वापसी की पृष्ठभूमि में तालिबान ने पिछले महीने देश भर में लगभग सभी प्रमुख शहरों और शहरों पर कब्जा कर लिया था। 15 अगस्त को राजधानी काबुल पर भी तालिबान ने अपने झंडा लहरा दिया था। काबुल पर कब्जा करने के तीन हफ्ते बाद तालिबान ने 6 सितंबर को पंजशीर पर जीत का दावा किया था। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख को लिखी चिट्ठी में तालिबान ने 21–27 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में भाग लेने का अनुरोध किया है।

न्यूजीलैंड का दौरा रद्द होने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर मढ़ा दोष

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की क्रिकेट टीम का दौरा रद होने के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने अब भारत पर आरोप मढ़ना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने दावा किया है कि न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम को धमकी भरा ईमेल मुंबई से भेजा गया था। चौधरी ने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम ने सूचना दी थी कि उन्हें सुरक्षा खतरे के बारे में उनकी सरकार ने आगाह किया है। बताया जाता है कि फाइव आई गठबंधन ने न्यूजीलैंड को सुरक्षा खतरे को लेकर यह जानकारी दी थी। फवाद चौधरी ने दावा किया कि न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम धमकी के बाद बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं हुई थी क्योंकि मैदान और होटल सुरक्षित था। उन्होंने बताया कि व्यस्त कार्यक्रम के बाद भी पीएम इमरान खान ने न्यूजीलैंड की पीएम से बात की थी। फर्जी सोशल मीडिया धमकी को पूर्व टीटीपी कमांडर एहसानुल्लाह एहसान के नाम से भेजा गया था। इस पोस्ट में न्यूजीलैंड की टीम पर हमले की धमकी दी गई थी।

ड्रैगन का उपनिवेश बनने की ओर बढ़ रहा पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। चीनी ड्रैगन का आर्थिक गुलाम बनने की ओर बढ़ रहे पाकिस्तान में अगले 4 साल में 50 लाख चीनी नागरिक काम करने लगेंगे। चीन के बाहर पाकिस्तान को छोड़कर शायद ही कोई ऐसा देश होगा जहां इतनी बड़ी तादाद में चीनी नागरिक काम करेंगे। पाकिस्तान के हेल्थ सर्विसेज अकादमी का अनुमान है कि ये चीनी नागरिक चाइन–पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर और अन्य परियोजनाओं में काम करेंगे। चीन इतनी बड़ी तादाद में अपने नागरिकों के पाकिस्तान आने की अभी से तैयारी में जुट गया है। वहीं पाकिस्तान ने भी चीन से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की गुहार लगाई है ताकि इतनी बड़ी तादाद में आने वाले लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराई जा सके।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के जहरीले बोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। चीनी राजदूत के इशारे पर नाच रहे नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। केपी शर्मा ओली ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल–यूएमएल की स्थायी समिति को कुछ राजनीतिक दस्तावेज भेजे थे। इन्हीं दस्तावेजों में ओली ने खुलासा किया है कि साल 2015 में भारत के तत्कालीन विदेश सचिव और वर्तमान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नेपाल के नए संविधान में भारत की मांग के मुताबिक संशोधनों को लेकर दबाव बनाया था। अंग्रेजी अखबार द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक केपी ओली ने कहा है कि तत्कालीन विदेश सचिव जयशंकर ने नेपाल के शीर्ष नेताओं को धमकी दी थी कि वे मौजूदा प्रारूप में संविधान को लागू ना करें। नेपाल ने 20 सितंबर 2015 को अपना नया संविधान लागू किया था। हालांकि, नेपाल के नए संविधान के खिलाफ भारत से सटे दक्षिण नेपाल के जिलों में काफी विरोध प्रदर्शन भी देखने को मिला था।

बाइडन ने खुलेआम किया भारत का सपोर्ट, पाक की किरकिरी

आतंकवाद पर रहा फोकस, सख्त रुख का संदेश

संदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को पहली बार संबोधित किया। उनका यह भाषण इसलिए अहम है क्योंकि उन्होंने इसमें अमेरिकी विदेश नीति की तस्वीर को साफ कर दिया है। उनके भाषण में सबसे ज्यादा चिंता चीन की दिखी। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब किसी दूसरे शीतयुद्ध का कारण नहीं बनेगा। बाइडन के पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप के विपरीत उन्होंने चीन और रूस के साथ बढ़ते तनाव को कम करने का भी संदेश दिया है। बाइडन ने कोरोना वायरस, आतंकवाद, अफगानिस्तान और ईरान पर भी अपनी नीति को स्पष्ट किया है। अफगानिस्तान मुद्दे पर देश की नाराजगी झेल रहे बाइडन ने अमेरिकी नीति को साफ किया। आइए जानते हैं कि बाइडन के भाषण का क्या है निहितार्थ।

बाइडन के भाषण पर रूस और चीन की निगाहः प्रो. हर्ष वी पंत का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के भाषण का इंतजार सभी को था। रूस और चीन की निगाहें भी उनके भाषण पर टिकी थी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में बाइडन ने एक तरह से अमेरिकी विदेश नीति का एजेंडा तय किया है। उन्होंने कहा कि बाइडन ने दुनिया के सभी ज्वलंत मुद्दों को उठाया है। उन्होंने सारे पहलुओं को छुआ है, जो बाइडन प्रशासन के लिए चिंता का विषय है।

दुनिया में फैल रहे आतंकवाद के खिलाफ बाइडन का सख्ती दिखी। बाइडन ने कहा कि आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर आतंकवाद को प्रश्रय देने वाले देशों को भी आगाह किया। प्रो पंत ने कहा कि बाइडन का यह स्टैंड भारत के हित में है। बाइडन ने साफ किया कि आतंक का सहारा लेने वाले हमारे सबसे बड़े दुश्मन होंगे। पंत ने कहा कि बाइडन का संकेत पाकिस्तान की ओर ही था, हालांकि उन्होंने मंच से उसका नाम नहीं लिया।

अमेरिका ने दोस्तों को दोस्ती निभाने की दी गारंटीः प्रो. पंत ने कहा कि बाइडन ने साफ किया कि वह अपने मित्रों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि इस भाषण में बाइडन ने उस शंका को भी दूर करने की कोशिश की वह मित्रों का साथ नहीं देता। बाइडन का यह बयान इस लिहाज से उपयोगी है, क्योंकि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद चीन ने ताइवान को लेकर तंज कसा था। चीन ने अमेरिका पर तंज कसते हुए कहा था कि अफगानिस्तान की तरह वह ताइवान को भी धोखो देगा। बाइडन की यह नीति भारत समेत तमाम अमेरिकी मित्र राष्ट्रों के लिए काफी शुभ है।

जंग नहीं कूटनीति के जरिए सुलझाएंगे अफगानिस्तान का मसलाः प्रो. पंत ने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को लेकर अमेरिकी नागरिकों को भी बाइडन के इस भाषण का इंतजार रहा होगा। प्रो. पंत का कहना है कि बाइडन ने अपने भाषण में यह साफ किया है कि अब वह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की कुर्बानी नहीं दे सकते।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत ने तुर्की को दिया कड़ा जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र के दौरान भारत ने तुर्की को कड़ा जवाब दिया है। दरअसल, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने अपने भाषण के दौरान कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इसी के जवाब में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साइप्रस का मुद्दा छेड़ दिया। तुर्की ने साइप्रस के बड़े हिस्से पर कई दशक से अवैध कब्जा जमाया हुआ है। इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव भी पारित किया हुआ है, लेकिन तुर्की इसे नहीं मानता है।

एस जयशंकर ने साइप्रस के अपने समकक्ष निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने साइप्रस के संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जयशंकर ने क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बुधवार को ट्वीट किया कि हम आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। मैंने उनकी क्षेत्रीय अंतर्दृष्टि की सराहना की। सभी को साइप्रस के संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों का पालन करना चाहिये।

अतीत में भी एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाया था, जिसपर भारत ने आपत्ति जताई थी।

दिल्ली के युवक ने पोलैंड के एक लड़के के साथ रचाई शादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पोलैंड। दिल्ली के एक लड़के की शादी इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। शादी की चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि दिल्ली के युवक ने पोलैंड के एक लड़के के साथ शादी रचाई है। लोग इनकी तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं और इनकी प्रेम कहानी को सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। शादी के बाद से दोनों लगातार अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर रहे हैं। स्कूपवूप ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि दोनों की मुलाकात एक डेटिंग ऐप हुई थी और यहीं से इनकी लव स्टोरी शुरू हुई। एक रोज प्रेजमैक ने गौरव को ट्रेन में शादी के लिए प्रपोज किया जिसके जवाब में गौरव ने हां कर दी। गौरव प्रेजमैक को प्रणय के नाम से पुकारते हैं।

नेपाल ने भारत में अपने राजदूत को वापस बुलाया, नारायण खड़का नए विदेश मंत्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल की शेर बहादुर देउबा सरकार ने मंगलवार को पूर्व में केपी शर्मा ओली सरकार की ओर से नियुक्त भारत के राजदूत नीलांबर आचार्य सहित 12 राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया है। मंगलवार शाम को कैबिनेट की बैठक में नेपाल ने भारत, चीन, अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य के 12 राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया गया। ओली ने पूर्व मंत्री आचार्य को नई दिल्ली में नेपाल का राजदूत नियुक्त किया था। कानून, न्याय और संसदीय मामलों के मंत्री ज्ञानेंद्र बहादुर कार्की ने कहा कि राजनयिक सेवा से 12 राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया

नियुक्त बाकी राजदूत अपनी नौकरी जारी रखेंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि जिन राजदूतों को मंगलवार को वापस बुलाया गया है, उन्हें वापसी के लिए तीन सप्ताह से एक महीने का समय दिया गया था। यह कहा जा रहा है कि खाली पड़े 23 देशों में राजदूतों की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

नेपाली कांग्रेस के दिग्गज नेता नारायण खड़का को देश का विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने बुधवार सुबह खड़का को नया विदेश मंत्री नियुक्त किया है। देउबा के निजी सचिवालय ने पुष्टि की है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री देउबा की सिफारिश के अनुसार, राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने खड़का को मंत्री नियुक्त किया है और विदेश मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है। पूर्व मंत्री और पार्टी के विदेश मंत्री खड़का दोपहर बाद राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी के साथ पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। शपथ लेने के बाद, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए खड़का बुधवार शाम न्यूयॉर्क के लिए रवाना होंगे। दो महीने से अधिक समय से देउबा सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर विवाद के कारण अपने मंत्रिमंडल के विस्तार के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ईशनिंदा के नाम पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों से बर्बरता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में दर्ज ईशनिंदा के बढ़ते मामले मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के लिए चिंता का कारण बने हुए हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बार–बार इस प्रथा विरोध किया है और यूरोपीय संघ सहित विश्व निकायों से इस मुद्दे पर ध्यान देने का आग्रह किया है। ईशनिंदा ने पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यकों का जीवन बर्बाद कर दिया है। अधिकार समूहों की कई रिपोर्टों के अनुसार, 1987 से आज तक पाकिस्तान ने लगभग 1600 ईशनिंदा मामले दर्ज किए हैं, जो हिंदुओं, ईसाइयों, शिया और अहमदिया मुसलमानों जैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हैं। पाकिस्तान में बड़ी संख्या में ईशनिंदा के मामले अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं। मुल्तान के बहाउद्दीन जकारिया विश्वविद्यालय के पूर्व व्याख्याता जुनैद हफीज पर ईशनिंदा का आरोप लगाया गया था, जो उन्होंने कभी नहीं किया। ईशनिंदा के आरोप में वजीह–उल–हसन को 18 सालों तक जेल में रहाना पड़ा था, जो सितंबर 2019 में निर्दोष साबित हुआ था।